अवैध बजरी भरे चार ट्रैक्टर-ट्रॉली व दो ट्रेलर जब्त, वाहन चालक गिरफ्तार

पुलिस की अचानक हुई कार्रवाई से बजरी माफ़िया में हड़कम्प मचा

■ जब्त आधा दर्जन वाहनों के खिलाफ मामला दर्ज कर ड्राइवरों को गिरफ्तार किया

मांडलगढ़ पुलिस ने जब्त किए बिना नम्बरी अवैध बजरी भरे वाहनों को थाने में खड़ा करवाया।

माण्डलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ क्षेत्र में भीलवाड़ा पुलिस की स्पेशल टीम ने शनिवार को प्रात: सड़क पर खुलेआम दौड़ रहे बजरी माफ़िया के बिना नम्बरी अवैध बजरी भरे आधा दर्जन वाहनों को जब्त कर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस की इस कार्रवाई से बजरी माफ़िया में हड़कम्प मच गया और सड़क पर अवैध बजरी भरे दौड़ रहे अन्य वाहन भूमिगत हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर वाहन चालकों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मांडलगढ़ में डीएसटी प्रभारी कालूराम धायल ने एनएच 27 पर बीगोद और मांडलगढ़ में फर्जी रवन्ना से बजरी भरे दो ट्रेलर को जब्त किया है, वहीं लाडपुरा के पास अवैध बजरी भरे बिना नम्बरी चार ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है।

मांडलगढ़ थानाधिकारी शंकर सिंह ने बताया कि जब्त एक ट्रेलर और चार ट्रैक्टर-ट्रॉली के खिलाफ मामला दर्ज कर वाहन चालकों को गिरफ्तार किया है। वहीं बीगोद में सड़क पर जा रहे बजरी भरे ट्रेलर को रोकने का इशारा किया, लेकिन चालक ट्रेलर को लोडियान गाँव की ओर भगा ले गया। आगे रेलवे की पुलिया आने से और पुलिस टीम के पीछा करने ट्रेलर पकड़ में आ गया। बीगोद थाना पुलिस ने ट्रेलर को फर्जी रवन्ना से अवैध बजरी परिवहन करने के मामले में प्रकरण दर्ज कर चालक को गिरफ्तार किया है।

खनिज विभाग द्वारा अवैध बजरी परिवहन के मामले में मांडलगढ़ ओर बीगोद में पकड़े गए दोनों ट्रेलर की जाँच की तो रवन्ना फर्जी पाया गया हैं। दोनों ट्रेलर रामनगर (बीगोद) के बताए जा रहे है। और लम्बे समय से बनास नदी से अवैध खनन की बजरी परिवहन कर रहे थे। जानकारी में आया कि पूर्व में भी खनिज विभाग और पुलिस ने दोनों ट्रेलर के खिलाफ कार्रवाई की थी। लेकिन इस बार पुलिस में प्रकरण दर्ज होने से जुर्माना राशि निर्धारित से अधिकगुणा वसूली की कार्रवाई की जा सकती हैं। इस मामले में खनिज विभाग के साथ परिवहन विभाग को भी कार्रवाई के लिए सूचित किया गया हैं। ट्रेलर में बजरी ओवरलोड हैं या नहीं इसकी जांच परिवहन विभाग करेगा। वहीं जिस स्टॉक पर अवैध बजरी परिवहन कर खाली की जा रही थी, स्टॉक मालिक के खिलाफ भी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

"एरिया डोमिनेशन अभियान" के तहत आठ जने गिरफ्तार

विराटनगर पुलिस थाना टीम ने एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत कार्रवाई की।

पावटा, (निसं)। विराटनगर पुलिस थाना टीम ने एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए 6 गिरफ्तारी वारंटी, 1 अभियुक्त को आर्म्स एक्ट व 2 अभियुक्तों को जुआ खेलते गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक कोटपुतली बहरोड़ देवेंद्र कुमार विश्नोई ने बताया कि पुलिस मुख्यालय द्वारा वर्तमान में वांछित अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान एरिया डोमिनेशन के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपुतली वैभव शर्मा के निर्देशन व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के सुपर विजन एवं विराटनगर थाना प्रभारी सोहनलाल के नेतृत्व में गठित विशेष पुलिस टीमो द्वारा कार्रवाई करते हुए वांछित 6 गिरफ्तारी वारंटी राधेश्याम पुत्र परसाराम निवासी बड़ा कांकराणा विराटनगर, महावीर पुत्र परसाराम निवासी बड़ा कांकराणा विराटनगर, कुबेरराज उर्फ गिरधारी पुत्र हनुमान सहाय निवासी पौधेश्वर मंदिर के पास मैड विराटनगर, ओमप्रकाश पुत्र कैलाश निवासी सर की ढाणी मैड विराटनगर, प्रभुदयाल पुत्र मूलचंद निवासी सर की ढाणी मैड विराटनगर, उमराव पुत्र प्रभाती निवासी वार्ड नं. 2 सेवरा की ढाणी विराटनगर को गिरफ्तार किया गया।

वहीं ग्राम कुकडेला अभियुक्त इंद्राज पुत्र नारायण निवासी कुकडेला विराटनगर के कब्जे से बिना लाइसेंस के अवैध हथियार एक तलवार जप्त कर आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया। वहीं नवरंगपुरा तन बिलवाडी में सार्वजनिक स्थान आत्मादास मंदिर के पास एक चबूतरे पर ताशपत्ती पर रुपए दाव पर लगाकर जुआ खेलते पाए जाने पर मंगलराम पुत्र भैरूराम निवासी भामोद विराटनगर, कैलाश पुत्र हरसहाय निवासी कुकडेला विराटनगर के कब्जे से जुआ राशि जप्त कर मामला दर्ज कर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।

अजमेर : कारगिल विजय दिवस के मौके पर जिला सैनिक कल्याण कार्यालय द्वारा बजरंगगढ़ स्थित विजय स्मारक पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अतिथि सेवानिवृत्त कमौडोर अंशुमान दत्त, सेवानिवृत्त कैप्टन अशोक तिवारी, सेवानिवृत्त कमांडर जे.एस. राजावत एवं जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल आलोक कुमार साह ने शहीदों को नमन करते हुए पुष्पचक्र और श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल आलोक कुमार साह ने बताया कि भारतीय सेना ने विषम और विपरीत परिस्थितियों से जूझते हुए कारगिल युद्ध में अदम्य साहस और देश प्रेम का परिचय दिया था। कार्यक्रम में पूर्व सैनिकों, अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद अजमेर के सदस्यों एवं जिला सैनिक कल्याण कार्यालय व रैक्सकों के स्टाफ ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई एवं स्मारक पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

लावारिस हालत में जिंदा नवजात शिशु मिला

बोरावड़, (निसं)। बोरावड़ कस्बे में शनिवार को सुबह लावारिस हालत में एक जिंदा नवजात शिशु मिला, जो स्वस्थ है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने अजमेर रैफर किया है। जानकारी के अनुसार शहर के गणेश डूंगरी क्षेत्र में सुबह-सुबह लोग टहल रहे थे। इस दौरान एक नवजात शिशु के रोने की आवाज लोगों को सुनाई दी, जिस पर लोगों ने पास जाकर देखा तो कपड़े व पॉलीथिन में लिपटा हुआ एक नवजात शिशु था, जिसके ऊपर एक बड़ा सा पत्थर डालकर कोई उसे छोड़कर चला गया। मौके पर काफी लोग इकट्ठा हो गए और उन्होंने मकराना पुलिस व बोरावड़ के राजकीय चिकित्सालय प्रभारी डॉ. सुनील कुमार विश्नोई को सूचना दी, जिस पर डॉक्टर सुनील कुमार विश्नोई व पुलिस मौके पर पहुंची और नवजात को अपने कब्जे में लिया और चिकित्सालय ले जाकर प्राथमिक उपचार दिया गया। डॉ. विश्नोई ने बताया कि नवजात एकदम स्वस्थ है, जिसे उपचार हेतु अजमेर रेफर किया गया है।

डेंटल कॉलेज के छात्रों ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया

छात्रा को सुसाइड के लिये प्रेरित करने के दोषियों की गिरफ्तारी की मांग

■ स्टूडेंट्स ने दोषियों पर जल्द कार्रवाई की मांग की

उदयपुर, (का.सं.)। उदयपुर में प्राइवेट डेंटल कॉलेज की बीडीएस फाइनल ईयर की छात्रा के सुसाइड करने के मामले में शनिवार को दूसरे दिन भी स्टूडेंट्स ने कलेक्ट्रेट के बाहर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। स्टूडेंट्स ने दोषियों पर जल्द कार्रवाई की मांग की।

मामले के अनुसार भीलों का बेदला स्थित पैसिफिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल परिसर में संचालित डेंटल कॉलेज की छात्रा श्वेता सिंह (25) ने गुरुवार रात सुसाइड कर लिया था। वह जम्मू-कश्मीर की रहने वाली थी। उनके पिता, चचेरे भाई, मामा उदयपुर शव लेने पहुंचे। उन्होंने कहा कि इस संबंध में पुलिस को लिखित में शिकायत दी है। पुलिस इसमें सख्त कार्रवाई करें और हमें एफआईआर की कॉपी उपलब्ध कराए। इधर कलेक्ट्रेट के बाहर पहुंचे स्टूडेंटस ने नारेबाजी करते हुए श्वेता सिंह को न्याय दिलाने की मांग की। मीडिया से बातचीत करते हुए श्ववेता के चचेरे भाई शशिकांत ने गंभीर आरोप लगाए है। उसमें भगवत और नैनी पर कई आरोप लगाए और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने की बात लिखी गई है। उन्होंने कहा कि हमने पुलिस को लिखित में शिकायत दी है दोनों को गिरफ्तार की जाए, एफआईआर की कॉपी हमें दी जाए।

मामले को लेकर मृतक श्वेता सिंह के पिता बलवंत सिंह ने सुखेर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। जिसमें बीएनएस की धारा 108 के तहत सुसाइड के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया है। इसमें विशेष रूप से कॉलेज एडमिन स्टाफ भगवत उर्फ भगवान सिंह और माही उर्फ नैनी जैन के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दी गई है। पिता ने रिपोर्ट में बताया कि बेटी ने सुसाइड नोट में इन दोनों द्वारा बार-बार टॉर्चर करने का आरोप लगाया है। उसकी मौत के लिए कॉलेज स्टाफ जिम्मेदार है। इधर मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मृतका का पोस्टमार्टम के बाद शव लेकर परिजन अपने गावं रवाना हो गये।

गंभीर नदी हादसा : पिता-पुत्र के शव मिले

हिंडौन सिटी, (निसं)। गंभीर नदी में हुए दर्दनाक हादसे ने पूरे क्षेत्र को शोक में डुबो दिया है। बुधवार को भैंस खरीदने निकले पिता-पुत्र नदी में बह गए थे। करीब 39 घंटे की रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद शुक्रवार सुबह पिता राजुद्दीन का शव बरामद कर लिया गया। इससे पहले गुरुवार सुबह बेटे सोहेल (20) का शव मिल गया था। मृतक राजुद्दीन चौबे पाड़ा के तेली का नला मोहल्ले का निवासी था और सोहेल उसका इकलौता पुत्र था। जानकारी के अनुसार, दोनों बुधवार दोपहर करीब 3:20 बजे घर से भैंस खरीदने के लिए बाइक से निकले थे। लगभग 4 बजे जब वे कटकड़ की गंभीर नदी की पुलिया पार कर रहे थे, उसी दौरान पांचना बांध के दो गेट खोल दिए जाने से नदी में तेज बहाव आ गया। पुलिया पर पानी का स्तर बढ़ने से बाइक अनियंत्रित हो गई और दोनों नदी में बह गए।

घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना प्रभारी देवेंद्र शर्मा मौके पर पहुंचे और एसडीआरएफ टीम को रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए बुलाया गया।

चाचा ने नाबालिग भतीजी से छेड़छाड़ की

■ दादी के पास रह रही थी, मां के लौटने पर बताई घटना

नोखा, (निसं)। जिले के नोखा थाना में एक नाबालिग भतीजी ने अपने चाचा पर छेड़छाड़ का मामला दर्ज कराया है। पीड़िता की मां जब असम गई थी, तब लड़की अपनी दादी के साथ नोखा में रह रही थी।

घटना का खुलासा तब हुआ जब पीड़िता की मां वापस लौटी। उन्होंने अपनी बेटी को डरा-सहमा देखा। शुरू में लड़की ने कुछ नहीं बताया, लेकिन मां के बार-बार पूछने पर उसने पूरी घटना बताई। पीड़िता ने बताया कि जब वह घर पर अकेली थी, तब उसका चाचा घर आया और उसके साथ अश्लील हरकतें करने लगा। जब लड़की ने विरोध किया और शोर मचाया, तो आरोपी ने उसे और उसकी मां को जान से मारने की धमकी दी। डर के कारण पीड़िता ने यह बात किसी को नहीं बताई। पीड़िता का आरोप है कि उसका चाचा पहले से ही उस पर गलत नजर रखता था। मामले की जानकारी मिलने के बाद पीड़िता की मां उसे लेकर थाने पहुंची। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। सब इंस्पेक्टर राधेश्याम मामले की जांच कर रहे हैं। पुलिस ने पीड़िता का बयान दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

रावलिया कलां-बरवाड़ा मार्ग पर 24 घंटे में सड़क सम्पर्क बहाल हुआ

■ गोगुंदा के अवानी गांव के पास पुलिया टूट गई थी

उदयपुर, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में आमजन को राहत प्रदान करने की दृष्टि से प्रदेश का प्रशासनिक अमला पूरी संवेदनशीलता के साथ मुस्तैदी से जुटा है। गोगुंदा के अवानी गांव के पास पुलिया टूटने पर 24 घंटे के भीतर सड़क सम्पर्क बहाल कर प्रशासन ने इसकी बानगी पेश की। प्रशासन की इस त्वरित कार्रवाई से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

गोगुंदा पंचायत समिति के रावलिया कलां से बरवाड़ा जाने वाले मुख्य मार्ग पर अवानी गांव के समीप शुक्रवार को पुलिया भरभराकर गिर गयी थी, जिससे आसपास के कई गांवों का आपसी सम्पर्क टूट गया। सूचना पर जिला कलक्टर नमित मेहता मौके पर पहुंचे और सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को तुरंत सम्पर्क बहाली के निर्देश दिए। शनिवार प्रात:काल विभाग की टीम एक एल एंड टी, दो जेसीबी, दो डम्पर के साथ मौके पर पहुंची। जिला कलेक्टर के निर्देश पर उपखंड अधिकारी शुभम भाईसारे ने मोर्चा सम्भाला। उनके साथ तहसीलदार, बीडीओ, पटवारी, पीडब्लूयूडी अधिशाषी अभियंता अनिल खींची, जेइएन भावेश सहित पूरी टीम थी। ग्रामीणों ने साथ दिया और सड़क मार्ग से गांवों की सम्पर्क बहाली में अपना योगदान दिया और देखते ही देखते समस्या का समाधान हो गया। विभाग के अभियंताओं ने ग्रामीणों के सहयोग से एक स्थान का चयन किया। यहां पर पानी की निकासी के लिए दो पंक्तियों में छह सीमेंट पाइप बिछाकर नई पुलिया बनाई गई। पाइप पर मिट्टी का भराव भरकर पुलिया को मजबूती प्रदान की गई। सांयकाल 5 बजने तक नई पुलिया तैयार कर डाउन स्ट्रीम में 150 मीटर का नया ट्रेक बनाकर वैकल्पिक मार्ग को आवागमन के लिए खोल दिया गया। पुलिया पर यातायात प्रारम्भ करने से पूर्व डम्पर एवं अन्य वाहनों को से ट्रायल लिया गया जिसके सफल होने पर आमजन के लिए यह रास्ता खोल दिया गया। पुराने टूटे पुलिया दो दोनों छोर पर अवरोधक लगाये गये हैं ताकि कोई दुर्घटना ना हो। पुरानी पुलिया के पुनर्निर्माण तक वैकल्पिक मार्ग से यातायात बहाल होने पर ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। रावलिया कलां सरपंच हीरालाल और पूर्व सरपंच देवी सिंह ने प्रशासन की तत्परता एवं पीडब्लूयूडी टीम की कर्मठता की प्रशंसा की।

दो भाइयों को पिकअप ने कुचला, एक की मौत

दोनों भाई मजदूरी करते थे और डिवाइडर पर सो जाते थे

■ मौके से पिकअप चालक को डिटेन कर लिया

कोटा, (नि.स.)। कोटा के गुमानपुरा थाना इलाके में डिवाइडर पर सो रहे दो भाइयों को लोडिंग वाहन पिकअप ने कुचल दिया। इस हादसे में एक भाई की मौत हो गई व दूसरा गंभीर रुप से घायल हो गया।

मामले में सामने आया कि दोनों भाई मजदूरी करते थे और डिवाइडर पर सो जाते थे। गुमानपुरा थाना अधिकारी अनिल टेलर ने बताया कि छावनी चौराहे पर डिवाइडर पर सो रहे दो भाइयों पर लोडिंग पिकअप चढ़ गई, हादसे में कुन्हाड़ी निवासी वजीर की मौके पर मौत हो गई और हादसे में उसका बड़ा भाई अकबर गंभीर घायल हो गया, जिनको उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। थाना अधिकारी ने बताया कि मौके से पिकअप चालक को डिटेन कर लिया गया है मामले की जांच दुर्घटना थाना कर रहा है।

40 साल पुराने स्कूल के जर्जर भवन में चल रहा है आंगनबाड़ी केंद्र

■ सरकारी गर्ल्स स्कूल के जर्जर भवन के दो कमरे पूरी तरह से खंडहर हो चुके हैं

■ इन्हीं खतरनाक कमरों में बच्चों के लिए भोजन भी पकाया जा रहा है और आंशिक रूप से वहीं वितरित भी किया जा रहा है

रानीवाड़ा, (निसं)। झालावाड़ में सरकारी स्कूल की छत गिरने से सात मासूमों की दर्दनाक मौत के बाद जहां पूरा प्रदेश सदमे में है, वहीं शिक्षा विभाग की कागजी सतर्कता की पोल खुलती नजर आ रही है। रानीवाड़ा क्षेत्र में रतनपुर के सरकारी गर्ल्स स्कूल का भयावह सच सामने आया है। यहां 1985 में बना एक 40 साल पुराना जर्जर भवन, जिसके दो कमरे पूरी तरह से खंडहर हो चुके हैं, उसमें आंगनबाड़ी केंद्र चलाया जा रहा है। यहां सीधे तौर पर मासूमों की जान से खिलवाड़ हो रहा है।

जानकारी के अनुसार रतनपुर के इस गर्ल्स स्कूल के जर्जर कमरों में आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हो रहा है। इतना ही नहीं, इन्हीं खतरनाक कमरों में बच्चों के लिए भोजन भी पकाया जा रहा है और आंशिक रूप से वहीं वितरित भी किया जा रहा है।

रतनपुर गर्ल्स स्कूल की प्रधानाचार्या गीता बहन ने बताया कि स्कूल में 120 बच्चियां पढ़ रही हैं। हालांकि, मुख्य स्कूल भवन का इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है, लेकिन आंगनबाड़ी केंद्र इसी जर्जर ढांचे में चल रहा है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भी इस भयावह स्थिति से अवगत हैं। उन्होंने साफ शब्दों में कहा है कि यह भवन बच्चों के लिए बेहद खतरनाक है और इसे तुरंत धराशायी कर नया भवन बनाया जाना चाहिए ताकि बच्चों, अभिभावकों और ग्रामीणों को खतरे से मुक्त किया जा सके। यह चौंकाने वाली जानकारी रतनपुर के सजग कार्यकर्ता और समाजसेवी गणपत सिंह देवड़ा ने वीडियोग्राफी सहित उपलब्ध कराई है। उन्होंने पूरी जिम्मेदारी के साथ बताया है कि इस खतरनाक भवन की शिकायत उच्च अधिकारियों को कई बार की जा चुकी है, लेकिन नतीजा सिफर है।

खंडहर हो चुके कमरों में आंगनबाड़ी केंद्र चलाया जा रहा है।

कोटा के सरकारी स्कूल में प्लास्टर गिरा, आज होनी थी परीक्षा

■ शिक्षा विभाग के अधिकारी पहुंचे, परीक्षा में यहां बच्चों को बैठाने पर भी पाबंदी लगाई

कोटा, (निसं)। झालावाड़ जिले के मनोहर थाना के पीपलोदी गांव में शुक्रवार को सरकारी स्कूल की बिल्डिंग गिरने से 7 बच्चों की मौत हो गई और कई बच्चे घायल हो गए थे। इसके बाद अब शनिवार को कोटा के एक सरकारी स्कूल के कमरे का प्लास्टर गिर गया। हादसे के दौरान ये कमरा बंद था लेकिन रविवार को यहां पर परीक्षा होनी है। घटना की सूचना मिलने पर प्रशासनिक अधिकारी और शिक्षा विभाग के अधिकारी भी पहुंचे। एहतियातन रविवार को होने वाली परीक्षा में यहां बच्चों को बैठाने पर भी पाबंदी लगा दी गई है।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रशासन मुकेश चौधरी का कहना है कि नयापुरा बाग स्कूल में प्लास्टर गिरा है। रविवार को भर्ती परीक्षा आयोजित होनी है। ऐसे में उन चार कक्षा का उपयोग नहीं करने के लिए कहा है। दूसरी वैकल्पिक व्यवस्था देख रहे हैं। जिसके तहत टीन शेड के नीचे बच्चों की परीक्षा कराई जाना तय किया गया है। दूसरी तरफ मामले की जानकारी मिलने पर जिला शिक्षा अधिकारी केके शर्मा और सरस्वती शर्मा सहित कई लोग मौके पर पहुंचे हैं।

कोटा में राजकीय विद्यालय का प्लास्टर गिरने के बाद अधिकारी मौके पर पहुंचे।

यह दो मंजिला भवन है जिसमें ऊपर के फ्लोर जर्जर होने के चलते वहां पर क्लासेस नहीं लगती हैं। चार कमरे बने हुए हैं जहां पर परीक्षा रविवार को होनी थी। इनमें से एक कमरे का प्लास्टर गिर गया। हालांकि कोई नहीं होने से हताहत नहीं हुआ है। 12वीं कक्षा की छात्रा दीपिका का कहना है कि नीचे की मंजिल पर चलने वाले कमरों में भी छत की कंक्रीट के साथ सरिया नजर आ रहे हैं। वहां भी प्लास्टर गिरता है। हमारे कमरे में भी कभी-कभी प्लास्टर गिर जाता है। बच्चों और बालिकाओं को एडजस्ट करके बैठने को कहा गया है।

स्कूल की प्रभारी सपना चतुर्वेदी का कहना है कि घटनाक्रम के संबंध में प्रिंसिपल ने उन्हें वीडियो भेजा था। जिसके बाद वो आई हैं। इस पूरे मामले में उच्च अधिकारियों को भी अवगत करा दिया है।